**पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)**
**भारत सरकार**
*********
**'हर काम देश के नाम'**

**नई दिल्ली, ज्येष्ठा 26, 1944**
**बृहस्पतिवारः 16 जून 2022**

## रक्षा मंत्री ने जम्मू एवं कश्मीर के दूरवर्ती क्षेत्रों की अपनी यात्रा के दौरान सीमा पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

## दुर्गम परिस्थितियों में अदम्य साहस एवं उत्साह के साथ अपने उत्तरदायित्व को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की

## भारत की एकता और अखंडता को बाधित करने की कोशिश का प्रयास करने वाले को भारत समुचित उत्तर देगा: श्री राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 16 जून 2022 को जम्मू एवं कश्मीर के दूरवर्ती क्षेत्रों का दौरा किया और सीमा पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। इस अवसर पर सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे; जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी), उत्तरी कमान लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी; जीओसी, 15 कोर लेफ्टिनेंट जनरल एएस औजला और जीओसी,एएस ओजला और जीओसी 19 इन्फैंट्री डिवीजन मेजर जनरल अजय चांदपुरिया रक्षा मंत्री के साथ थे और उन्हें सशस्त्र बलों की परिचालन तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

तत्पश्चात श्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के कार्मिकों के साथ वार्ता की। कार्मिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपनी उत्तरदायित्वों को कुशलतापूर्वक निभाने, उनके पराक्रम और उत्साह को उल्लेखनीय बताते हुए उनकी सराहना की। उन्होंने अदम्य साहस एवं समर्पण के साथ देश की सेवा करने और लोगों, विशेषरूप से युवाओं में राष्ट्रीय गौरव की भावना पैदा करने के लिए सुरक्षाकर्मियों की सराहना की।

रक्षा मंत्री ने कहा, "हमारे पड़ोसी ने हमेशा भारत विरोधी गतिविधियों का सहारा लिया है। राष्ट्र ने अतीत में भी आतंकवादी गतिविधियों को देखा था। सशस्त्र बलों, बीएसएफ, सीआरपीएफ और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस के कार्मिकों के अथक प्रयासों के कारण, हाल ही में राज्य में आतंकवादी गतिविधियों की संख्या में अत्यधिक गिरावट आई है। पाकिस्तान लगातार हजारों प्रहारों के साथ भारत का खून बहाने के अपने दृष्टिकोण के माध्यम से देश में शांति भंग करने की कोशिश करता है। लेकिन, हमारे सुरक्षा बल इस देश के लिए एक ऐसा कवच हैं जो कोई भी इसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है, वह स्वयं नष्ट हो जाता है। राष्ट्र को हमारी

सेनाओं में अपार विश्वास है जो किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। "

यह दोहराते हुए कि भारत एक शांतिप्रिय देश है, जिसने दुनिया को 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश दिया है, श्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि "हमने कभी भी किसी भी देश को किसी भी तरह से चोट पहुंचाने की कोशिश नहीं की और न ही हमने किसी की एक इंच भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया। हालांकि, उन्होंने राष्ट्र को आश्वासन दिया कि यदि कभी भी राष्ट्र की एकता और अखंडता को चोट पहुंचाने का प्रयास किया जाता है, तो सशस्त्र बल इसका समुचित उत्तर देंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सशस्त्र बल भविष्य की चुनौतियों का पूरी क्षमता के साथ सामना करेंगे और उनकी वीरता एवं समर्पण देश को एक सुनहरे भविष्य की ओर ले जाएगी।

**एबीबी/डीके/डीएस/आरपी**